[Mr. Speaker]

you raise it, I cannot possibly allow a discussion here and now. I cannot even guarantee that a discussion will be allowed. It will have to be considered and then we will have to find time for it. There are so many procedures. Even if you ask, will the Speaker be able to say on the spot, 'Come on; let us have a discussion tomorrow or the day after'? Is it possible? Will he then be able to adjust the work of the House?

SHRI S. M. BANERJEE: I never said that. I realise your difficulty. But you must also realise our difficulties.

SHRI N. DANDEKER (Jamnagar): This can be closed in a minute. The rule says: "Every petition shall stand referred to the Committee". There can be no question of any discussion.

MR. SPEAKER: Everybody knows that.

श्री एस० एम० जोशी (पूना) : अध्यक्ष महोदय, मेरे मित्र, श्री बनर्जी, ने कहा है कि इन प्रदेशों में राष्ट्रपति की हुकूमत है, इस लिये इसके बारे में चर्चा होनी चाहिये। बिहार के बजट के बारे में आज या कल हाउस में चर्चा होने वाली है। मैं प्रार्थना करूंगा कि उस में माननीय सदस्यों को इस सवाल को उठाने का ज्यादा मौका दिया जाये।

12.33 hrs.

PERSONAL EXPLANATION UNDER RULE 357

SHRI J. B. KRIPALANI (Guna): I do not stand to give a personal explanation, but I sit and give it.

The day before yesterday, in the discussion on Mr. Madhu Limaye's motion, in my speech I used one expression which I find I ought not to have used. I said, nobody can be a Minister unless there is something shady about him. If any objection had been raised then, I would have withdrawn that word immediately. But I do so now and I apologize to the members on the Treasury Benches. What I meant to say was that nobody could be a Minister unless he has some worldly wisdom which the members of the Opposition lack at present and which sometime they will gain when they aspire to that office.

12.34 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE
TWENTY-SECOND REPORT

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND COMMUNICATIONS (DR. RAM SUBHAG SINGH): I beg to move:

> "That this House agrees with the Twenty-second Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 20th August, 1968."

श्री इसहाक सम्भली (अमरोहा) : अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि यू० पी० के बजट पर डिसकशन के लिये सिर्फ एक घंटा रखा गया है, जब कि यू० पी० में गोली चलने की पाँच वारदातें हो चुकी हैं और हरिजनों के साथ जा-बजा अत्याचार किये जा रहे हैं, जो कि सरकारी रिपोर्टों में एडमिट किया गया है। यह खुशी की बात है कि बिहार के लिये तीन घंटे रखे गये हैं। हो सकता है कि इस की वजह यह है कि डा० राम सुभग सिंह का वह प्रदेश है। लेकिन यू० पी० के बजट के डिसकशन के लिए एक घंटा बिल्कुल नाकाफी हैं। मैं समझता हूं कि इसके लिये कम से कम तीन घण्टे दिये जाने चाहिये। यह किसी पार्टी का सवाल नहीं है। यू० पी० हिन्दुस्तान की बिगेस्ट स्टेट है। उस के बजट के लिये सिर्फ एक घण्टा रखना बड़ी भारी नाइन्साफी है।

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) : मेरे जिले में चार हरिजनों की हत्या हुई है।

श्री श्रीचन्द गोयल (चण्डीगढ़) : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री सम्भली के सुझाव का अनुमोदन करता हूं। जहां तक मैं समझता हूं, बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी की

पहली रिपोर्ट में यू० पी० के लिये तीन घंटे रखे गये थे। न मालूम, किस कारण इस रिपोर्ट में वहां के बजट पर विवाद के लिये केवल एक घण्टा रखा गया है। वह इतना बड़ा प्रदेश है और इस सदन में उस के इतने अधिक सदस्य हैं। इस लिये इसके लिये समय निश्चित रूप से बढ़ाना चाहिये।

श्री महाराज सिंह भारती (मेरठ) : अध्यक्ष महोदय, अगर आप हर एक पार्टी के प्रतिनिधि को दस मिनट भी देंगे, तो तीन घंटे से कम समय नहीं लगेगा। एक घंटे से काम नहीं चलेगा। इससे अच्छा है कि इस बजट को ऐसे ही पास कर लिया जाये।

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : अध्यक्ष महोदय, बिहार के बजट के लिये आप ने तीन घंटे का समय निश्चित किया है। हम उस बजट पर नये सिरे से विचार करने जा रहे हैं। इस लिये उसका समय बढ़ाना चाहिये। इस के अलावा डेलीगेशन आफ पावर्ज के लिये एक घण्टा रखा गया है। यह समय भी अपर्याप्त है। इस लिए इन दोनों आइटम्ज़ के लिये कुल छः घण्टे का समय रखा जाना चाहिये।

श्री मोहलू प्रसाद (बांसगांव) : अध्यक्ष महोदय, यू० पी० के लिये समय जरूर बढ़ाना चाहिये। मेरे जिले में चार महीनों में चालीस हत्यायें हुई हैं।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : अध्यक्ष महोदय, आप को स्मरण होगा कि जब पिछले शुक्रवार को इस सप्ताह के कार्य की घोषणा हो रही थी, तो मैंने, श्री इन्द्रजीत मल्होत्रा और अन्य माननीय सदस्यों ने काश्मीर का प्रश्न उठाया था। डा० राम सुभग सिंह ने उस समय यह स्वीकार किया था कि काश्मीर की विशेष स्थिति को ध्यान में रखते हुए उस पर इसी अधिवेशन में चर्चा की जायेगी। लेकिन मुझे यह देख कर आश्चर्य हुआ है कि इस सूची में से उस आइटम को बिल्कुल हटा दिया गया है। आपकी उपस्थिति में संसद-कार्य मंत्री ने यह वक्तव्य दिया था। इस लिए मेरा अनुरोध है कि काश्मीर के सम्बन्ध में चर्चा को अगले सप्ताह निश्चित रूप से लेना चाहिये।

श्री चन्द्रिका प्रसाद (बलिया) : अध्यक्ष महोदय, यू० पी० के लिये समय कम दिया गया है। यू० पी० में हरिजनों पर गोलियां चलाई जा रही हैं। मैंने बलिया में गोली चलने के सम्बन्ध में दो कालिंग-एटेंशन नोटिस दिये थे, लेकिन आप ने उन को मन्जूर नहीं किया है। मेरा निवेदन है कि इस के लिये तीन घण्टे का समय देना जरूरी है।

MR. SPEAKER : I shall explain the position. Yesterday, the representatives of all the parties were there and we had discussed this matter. The question is asked why there is only one hour allotted for the discussion on UP while 3 hours are there for Bihar. It is not as though there is any discrimination. So far as UP is concerned, hon. Members are getting 3 hours more on the continuance of President's rule there, and they will be getting 1 hour for the discussion of the UP demands, and so, in all they would be getting 4 hours. Anyway, Dr. Ram Subhag Singh will say what he wants to say about it.

As regards Kashmir, there is a non-official resolution by Shri Atal Bihari Vajpayee which has secured the first place. So, hon. Members will be getting not half an hour or one hour for that discussion but perhaps one whole afternoon, and I think that it is coming up this Friday. Shri Atal Bihari Vajpayee was also there at the meeting, and this matter was considered, and it was felt that whether it be by way of an official motion or non-official motion, Kashmir would be discussed for one whole afternoon, and, therefore, that would be enough. Anyway, let us hear what the hon. Minister has to say.

श्री इसहाक सम्भली : इस में यू० पी० के बजट के लिये तीन घण्टे तो नहीं दिये गये हैं। वह तो राष्ट्रपति शासन के लिये हैं।

MR. SPEAKER : It is already included in the report of the Business Advisory Committee presented last week. Three hours are there for the discussion on President's rule and 1 hour will be there for the Demands.

श्री महाराज सिंह भारती : 11 करोड़ लोगों का बजट है, इस पर इतने कम समय में कैसे होगा ?

श्री इसहाक सम्भली : यह दोनों एक साथ क्यों नहीं हो सकता ? ......(**व्यवधान**) . . . .

MR. SPEAKER : It is in the earlier report—three hours for that. We have an additional one hour now for these Demands. That has to come now.

श्री मोलहू प्रसाद : गोरखपुर में इतना अत्याचार हुआ है .....(**व्यवधान**)..... एक भी ध्यान आकर्षण सूचना आप हमारी मंजूर नहीं करते हैं तो हम कब उस के ऊपर डिस्कशन करेंगे ?

MR. SPEAKER : Is it possible to take it up today, this UP matter and have four hours ?

DR. RAM SUBHAG SINGH : No, Sir. How can it be possible ? It is not within my competence. You have clearly explained the whole position. Shri Ishaq Sambhali was not there in the meeting. His representative was there. Without any hesitation he agreed to the arrangement that has been made. The UP Budget was discussed a long time back. Now the Bihar Budget is going to be taken up. He is seeing everything through his own eyes. I make no discrimination between UP and Bihar. This is the UP Supplementary Demands which we have to take up. So no such statement was called for.

As regards Jammu and Kashmir, you have already made the position clear.

श्री इसहाक सम्भली : अध्यक्ष महोदय, यह क्यों नहीं हो सकता जैसा कि आप ने सजेस्ट किया कि इस सप्लीमेंट्री बजट को और गवर्नर के रूल को एक साथ ले लिया जाय ? इस में क्या दुश्वारी पेश आ रही है ?

डा० राम सुभग सिंह : हम को तो वह स्वीकार है। अध्यक्ष महोदय ने जो बताया डिस्कशन आन दि रेजोल्यूशन सीकिंग कान्टीन्यूएंस आफ प्रेसीडेंट्स रूल इन यू० पी०, इस पर तीन घंटे समय है और सप्लीमेंट्री बजट पर 1 घण्टा है, दोनों को साथ ले लीजिए, मुझे कहां एतराज है ?

MR. SPEAKER : There is nothing to be stated here. It is only adjusting the work. One hour is quite insufficient. UP has got so many members here; no member will be able to do justice to the subject. We did discuss that. But these three hours are there. Complaints were made to me about the insufficiency of the time before. Now some other friends have also come with the same complaint. But all these matters that they want to raise can be raised in those three hours that we are going to have. The Supplementary Demands can be disposed of perhaps in one hour. But in the other three hours, they can deal with all other aspects of the administration and the problems of the State.

श्री एस० एम० जोशी (पूना) : अध्यक्ष महोदय, बजट के ऊपर हम कटमोशन देते हैं, मगर उस पर हम बोलेंगे नहीं तो कटमोशन का मतलब क्या रह जाता है ? हम कभी देते नहीं, लेकिन इस वक्त दे दिया है, तो कम से कम हम को बोलने का मौका होना चाहिये।

MR. SPEAKER : I agree with you.

श्री शिव चरण लाल (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, यू० पी० में पुलिस का अत्याचार चरम सीमा पर पहुंच गया है। मैं ने सवाल किया था, उसे आप ने काट

दिया । मैं आप के पास गया ... (**व्यवधान**).. मैं फिरोजाबाद जिला आगरा के तोता-पुरी और दूसरे गांवों का किस्सा बताऊं, पुलिस ने वहां हरिजनों के साथ इतना अत्याचार किया है जो अंग्रेजों के वक्त में भी कभी नहीं हुआ । 32 घण्टे तक लगातार लूट होती रही, 11 मकानों को उन्होंने लूटा और........(**व्यवधान**) ....अध्यक्ष महोदय, आप ने मेरा सवाल काट दिया । मैं चाहता हूं इस की जांच करायी जाय, मंत्री जी इस की जांच करायें.....

MR. SPEAKER : Order, order. When UP is discussed, he can say all that. We are now discussing only the time allocation, not the details. May I suggest that instead of one hour for the Supplementary Demands, in addition to the three hours we will have two hours ?

श्री मोलहू प्रसाद : एक भी ध्यान आकर्षण सूचना आप हमारी मंजूर नहीं करते हैं. सब डिसएलाऊ कर देते हैं....

MR. SPEAKER : When UP comes up for discussion, he can say all that.

SHRI SHIV CHARAN LAL**

MR. SPEAKER : Order, order. There must be some limit to this. Nothing that he says will be recorded.

His party will I am sure give him a chance to explain all these things when the U.P. Budget comes up before the House. But not now. I shall give him a chance; let his party send his name and then I shall give him a chance.

श्री शिव चरण लाल : मैं दो दफे आप से मिलने गया इस मसले पर लेकिन आप ने मुझे कोई रास्ता नहीं बताया .....

श्री मोलहू प्रसाद : पोलैंड का, हालैंड का, दुनिया के किसी देश का सवाल आता है उसकी सूचना आप मंजूर कर लेते हैं लेकिन देश के अन्दर क्या हो रहा है इस की सूचना कभी मंजूर नहीं करते । हम कोई भी सूचना देते हैं, वह डिसएलाऊ कर देते हैं ।

MR. SPEAKER : Work is now being stopped. We have reached the limit, I am afraid. We are becoming a laughing stock. I do not think that anybody should go on shouting like this. I have been trying to accommodate all sections of the House.

श्री मोलहू प्रसाद : पुलिस का अत्याचार वहां चरम सीमा पर पहुंच गया है .... (**व्यवधान**) ...

MR. SPEAKER : If there is this type indiscipline and shouting, I cannot control. I do not know what method the leaders will tell me to adopt. This is not the way of doing things. I hope it will not be repeated and the patience of the Chair will not be tested.

श्री न० प्र० यादव (सीतामढ़ी) : अध्यक्ष महोदय, बिहार बजट पर तीन घण्टे का समय दिया गया है । उत्तर प्रदेश के लोगों ने हल्ला किया तो आपने समय बढ़ाया । मैं कहना चाहता हूं, बिहार के बजट पर कम से कम छः घण्टे समय दीजिए । हम हल्ला नहीं मचाते हैं तो आप हमें बोलने के लिए समय नहीं देते हैं ।

MR. SPEAKER: All right. I recommend strongly to the Minister of Parliamentary Affairs that Bihar Budget may be allotted 12 hours. There is another Member from U.P. He also wants more time. I strongly recommend to the Minister of Parliamentary Affairs 12 hours for Bihar and not three hours, but 16 hours for U.P.?

The question is :

"That this House agrees with the Twenty-second Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 20th August, 1968, subject to the modification that the time allotted for the discussion and voting of the Demands for Supplementary Grants (Uttar Pradesh) for 1968-69, be increased from one hour to two hours."

**Not recorded.